



बीमा सखी योजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने हरियाणा के पानीपत में **भारतीय जीवन बीमा निगम** की '**बीमा सखी योजना**' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने **करनाल** में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर की आधारशिला भी रखी।

मुख्य बटु

- **बीमा सखी योजना:**
 - यह **18-70 वर्ष की आयु की महिलाओं के लिये बनाया गया है**, जिसका ध्यान **वित्तीय साक्षरता** और **बीमा जागरूकता** पर केंद्रित है।
 - इसमें तीन वर्ष का प्रशिक्षण और वजीफा, LIC एजेंट या विकास अधिकारी बनने के अवसर और 2 लाख महिलाओं के लिये रोजगार सृजन शामिल है।
 - इससे "**सभी के लिये बीमा**" के मशिन को मज़बूती मिलेगी, **सामाजिक सुरक्षा** को बढ़ावा मिलेगा और **गरीबी उन्मूलन** होगा।
- **महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय:**
 - यह 495 एकड़ में वसित है, जिसमें अनुसंधान केंद्र, एक बागवानी महाविद्यालय और पाँच स्कूल हैं।
 - इसका उद्देश्य **फसलों में विविधता लाना और विश्व स्तरीय बागवानी प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है।**
- **कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने नमिनलखित बातों पर भी प्रकाश डाला:**
 - पानीपत से शुरू किये गए '**बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ**' अभियान ने पछिले दशक में हज़ारों बेटियों का जीवन बचाने में योगदान दिया है।
- **महिलाओं के लिये विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला गया, जिनमें शामिल हैं:**
 - महिलाओं को **बैंक सखी, बीमा सखी और कृषि सखी** के रूप में प्रशिक्षण देना।
 - मातृत्व अवकाश को बढ़ाकर 26 सप्ताह करना।
 - **वित्तीय समावेशन** के लिये **जन धन योजना** जैसे कार्यक्रम शुरू किए गए, जिससे 30 करोड़ महिलाएँ लाभान्वित होंगी।
 - उन्होंने ग्रामीण आर्थिक परिवर्तन की आधारशिला के रूप में **स्वयं सहायता समूहों (SHG)** पर ज़ोर दिया, जिनसे 10 करोड़ से अधिक महिलाएँ जुड़ी हैं।
 - **लक्ष्मि दीदी अभियान** जैसी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया, जिसके कारण 1.15 करोड़ महिलाएँ प्रतिवर्ष 1 लाख रुपए से अधिक कमाने में सक्षम हुई हैं।
 - उन्होंने जन धन योजना द्वारा लाए गए परिवर्तन पर प्रकाश डाला, जिससे नमिनलखित योजनाओं से लाभ का सीधा हस्तांतरण सुनिश्चित हुआ:
 - **किसान कल्याण नधि**
 - **सुकन्या समृद्धि योजना**
 - **आवास और लघु व्यवसायों के लिये नधि**।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना

- **परिचय:**
 - यह योजना **प्रधानमंत्री द्वारा 22 जनवरी, 2015 को शुरू की गई थी**, जिसका उद्देश्य **बाल लिंग अनुपात (CSR)** में कमी लाना तथा जीवन-चक्र में महिला सशक्तीकरण से संबंधित मुद्दों का समाधान करना था।
 - यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MW&CD), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (**MH&FW**) तथा शिक्षा मंत्रालय का **त्रि-मंत्रालयीय प्रयास है।**
- **मुख्य उद्देश्य:**
 - लिंग-पक्षपाती लिंग-चयनात्मक उन्मूलन की रोकथाम।
 - बालिकाओं के जीवन और संरक्षण को सुनिश्चित करना।
 - बालिकाओं की शिक्षा एवं भागीदारी सुनिश्चित करना।
 - बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करना।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/bima-sakhi-yojana-1>

